Education Rules, 2003, framed under AP Education Act, 1982. Rule 2 provides that in pursuance of three language formula, students are mandated to study Hindi as second language from VI to X in Telugu and English medium schools.

Hindi being the official language of the country and largest spoken language in the Indian Sub-continent, learning Hindi language from early childhood will immensely benefit school-going children and enable them to converse freely and fluently in Hindi. I am glad that private schools in Telangana State are teaching Hindi language from 1st Standard. I understand that many States in the country introduced Hindi from 1st Standard itself. But in States like A.P. and Telangana, Hindi is taught only from VI standards in Government and aided schools resulting in keeping students from these schools at a disadvantageous position when compared to students who are studying in private schools where Hindi starts from 1st Standard itself.

In view of the above, I request the HRD Ministry and the Government of India to immediately take steps to teach Hindi from 1st Standard in schools of Telangana and Andhra Pradesh. Thank you, Sir.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Demand for withdrawing the proposal of construction of a series of barrages on the river Ganga

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, जब से ग्रामीण विकास एवं सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री तथा पोत परिवहन मंत्री ने गंगा नदी में हर 100 किलोमीटर की दूरी पर बराज बनाने की बात शुरू की है, तब से गंगा जीवी करोड़ो लोगों में घबराहट फैलने लगी है। गंगा की उड़ाही की बात तो ठीक है, लेकिन बराजों की श्रृंखला ख़ड़ी कर के गंगा की प्राकृतिक उड़ाही की प्रक्रिया को बाधित करना सूझबूझ की बात नहीं है।

महोदय, 1971 में पश्चिमी बंगाल में फरक्का बराज बना और 1975 में इस की कमिशनिंग हुई। जब यह बराज नही था। तो हर साल बरसात के तेज पानी की धारा के कारण 150 से 200 फीट गहराई तक प्राकृतिक रूप से गंगा नदी की उड़ाही हो जाती थी। जब से फरक्का बराज बना, सिल्ट उड़ाही की यह प्रक्रिया रूक गयी और नदी का तल ऊपर उठता गया। इस से सहायक नदिया भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। जब नदी की गहराई कम होती है, तो पानी फैलता है और कटाव तथा बाढ़ के प्रकोप की तीव्रता बढ़ जाती है। मालदह-फरक्का से होकर बिहार के सोनपुर तक ही नहीं बल्कि बनारस तक इस का दुषप्रभाव दिखता है। महोदय, फरक्का बराज के कारण समुद्र में मछलियों की आवाजाही रूक गई। फिश लैडर बालू-मिट्टी से भर गया। झींगा जैसी मछलियों की ब्रीडिंग समुद्र के खारे पानी में होती है, जबकि हिलसा जैसी मछलियों का प्रजनन ऋषिकेश के ठंडे मीठे पानी में होता है। अब यह सब प्रकिया रूक गई है। गंगा तथा उसकी सहायक नदियों में 80 प्रतिशत मछलिया समाप्त हो गई है। इससे लोगों के भोजन में प्रोटीन की कमी हो गई है। पश्चिमी बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में

अब रोजाना आंध्र प्रदेश से मछली आती है। इसके साथ ही मछली से जीविका चलाकर भरपेट भोजन चलाने वाले लाखों मछुआरों के रोजगार समाप्त हो गए हैं।

अतः हम सरकार से मांग करते है कि गंगा पर नए सिरे से बराजों की श्रृंखला खड़ी करने का विचार त्याग दिया जाए, वरना सरकार को जनता के भारी विरोध करना पड़ेगा।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

श्री हरि बंश नारायण सिंह (बिहार) : सर, मैं एसोसिएट करता हूँ ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V.P. SINGH BADNORE): The House stands adjourned to meet on Friday, the 1st August, 2014, at 1100 hrs.

The House then adjourned at ten minutes past five of the clock till eleven of the clock on Friday, the 1*st August,* 2014.